



## CABBAGE PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Cabbage seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Cabbage seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Cabbage seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Cabbage Hybrid	Shashi, Surya															
Duration	85-95 DAS				<b>+</b>						<b>+</b>					
Kharif	Yes			╂	-∦				╫	╂		╂				
Rabi	Yes			<b></b>	· <del> </del>				<del>  </del>	<del> </del>		<b></b>				
Spring				<b></b>	· <del> </del>				<b> </b>	<b></b>		<b></b>				
Source of Irrigation	Borewell/ Canal			<b> </b>	· <del> </del>				<b> </b>	<b> </b>		<b> </b>				
		e note accordi	ng to wea	ther condi	tions crop g	rowth & ma	aturity may	be differe	nt		<u>-11</u>					
S. No.	Particulars/ operations/I		8			operation.										
1	Suitability of the area/A	gro-climatic zo	ne		The main	abbage gro	wing seaso	n in India i	is from Aug	gust to Nov	ember or Ra	abi season				
					for plains.	However,	some varie	ties of cabb	age can be g	grown alm	ost year-rou					
									er, especial	ly in hills.						
2	Land / Soil				Well drain	ed sandy lo	oam with p	H 5.5-6.5.								
3	Season. Sowing/planting	g time			August to	November	or Rabi is t	he ideal sea	son for Cal	bages						
4	Seed rate. Sowing/plant	ing method.					_			t 30-45 day	s old vigoro	ous				
					seedlings. (seedlings with 6 leaves and about 8-10cm)     Land should be prepared to a fine tilth and FYM or compost to be applied. It is											
5	Preparation of Main field	d and planting			II .						* *					
					advisable to apply slaked lime every 3 years according to the soil test result. Lime should be applied at least 30 days before planting.											
6	Spacing															
					(Row to Row x plant to plant): 60 cm x 30 cm											
7	Manures and Fertilizers										all doses of l					
					and K20 should be applied as basal and the remaining half of N to be top dressed at 30 days after planting (during earthing up).											
0	T 1 1 1				1					11 .	1	1 (11 (1				
8	Irrigation schedule				Immediately after transplanting, a light watering should be given and continued till the seedlings are established and subsequent irrigation should be given whenever required											
						-	_	_	g may occur.	-						
						,			,		, .,					
0	Was din a / internalities				Circa truca a		a firmt at 20	4 4.7		61 1						
9	Weeding/ inter-cultivati	on			Give two v	veeding, th	e first at 20	days and 2	na at 40 aa	ys after tra	insplanting.					
10	Micronutrient/growth re	egulator spray	3						/lit) as folia							
			_					Borax is 11.								
							ent formula	ation in two	splits at							
					32-45 days after transplanting as per recommendation.											
11	Pest and Disease control	Į.			Caterpillars and other leaf eaters: Spray Emamectin Benzoate 5% SG (0.5 gm/litre)											
					Field-cricket, cutworm, red ants and other soil insects: Apply Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre)											
					Black rot: Drench the soil with 100-200 ppm solution (0.1-0.2g/lit) of Streptomycin after											
					transplanting.											
					Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre),											
					Thrips / Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % +											
					Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre											
					Fruit Hy: C	se prierom	one traps. I	zena mumri	iii iiii/ iitre	:						
					For more i	nformation	to control	& disease ir	n field, plea	se consult	your local a	griculture				
					officers.											
12	Harvest				Ready to 1	arvest at 55	5-60 DAT. I	ate varietie	es, around 7	75-80 DAT						
13	Expected yield per acre				Yields 20-2	25 tons from	n a well ma	naged crop	, under ide	al condition	ns					
14	Storage				After harv	est, cabbage	e should be	stored in a	cool, humi	d place wit	th 95-98% re	lative				
					11 -		_			3-6 tight w	rapper leave	es, and				
4.5	D/L D.				ensure the heads are free from bruising or damage.  Don't overwater, especially during maturity the heads, as it can lead to head splitting.											
15	Don't Do				II .	_	-	-								
					Excess Nitrogen close to harvest is a strict no, as it can lead to Aphid build up causing split heads.											
16	Do's															
Note	The above information is	s a general adv	isory. For	specific rec	commendati	ons related	to particula	ar region, p	olease conta	ct your loc	al State Agr	iculture				
	Department.															
Precautions	Crop growth and yield o		•					-			r for advice.	Ensure				
	that only high-quality fe	rufizers and pe	esticides ar	e used. Re	tain the bills	for the pur	cnase of sec	eas, tertilize	ers, and pes	sticides.						





### पत्तागोभी की खेती का तरीका

वधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की बेहतरीन पत्तागोभी किस्मों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दर्जे के पत्तागोभी के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के पत्तागोभी के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय ततावों के प्रति अच्छी सहस्रशीलता देते हैं।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं. इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड पत्तागोर्भ	हाइब्रिड. शशि, Surya														
अवधि	85-95 DAS	<u> </u>													
खरीफ	हाँ	-													
रबी	हाँ	-													
वसंत		-  <del> </del>													
सिंचाई का स्रोत	बोरवेल/ नहर	-	II												
14 112 11 414	417.10 107	कपमा ध्यान गर्वे कि जन	वायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्क होने का समय अलग-अलग हो सकता है												
		कृतना ज्यान रखान यन													
क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका		कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड लागत												
1	क्षेत्र की उपयुक्तता / कृषि-जलवायु क्षेत्र		भारत में पत्ता गोभी मुख्य रूप से अगस्त-नवंबर में उगाई जाती है, मैदानी इलाकों में यह रबी मौसम में होता है। हालॉकि, पहाड़ी क्षेत्रों में पत्ता गोभी की कुछ कित्में पूरे साल उगाई जा सकती हैं, और इनकी बुवाई मई से सितंबर के बीच होती है।												
2	भूमि / मिट्टी		अच्छी जल निकासी वाली बलुई दोमट मिट्टी, pH सीमा 5.5 से 6.5 के बीच।												
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय		पत्तागोभी उगाने का सबसे उपयुक्त समय अगस्त-नवंबर या रबी है												
	110.11 9.15 0.115 10.014		विवासी ज्यान वा वस्त्र जातुवा वस्त्र वस्त्र नास्त्र सार्था है												
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।		प्रति हेक्टेयर 120–180 ग्राम बीज, जो हाइब्रिड पर निर्भर करता है। 30–45 दिन के मजबूत पौधों को रोमें (पौधों में 6 पत्तियाँ और लगभग 8–10 सेमी लंबाई होनी चाहिए)												
5	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई		खेत को अच्छी तरह से जोत कर उसमें गोबर खाद या कंपोस्ट मिलाएँ। सलाह है कि मिट्टी की जांच के आधार पर हर 3 साल पर बुझा हुआ चूना डालें। रोपाई से कम से कम 30 दिन पहले चूना डाला जाना चाहिए।												
6	पौधों के बीच दूरी		(पंक्ति से पंक्ति और पौधा से पौधा): 60 x 30 सेमी												
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक		गोबर खाद 10 टन/हेक्टेयर, नाइट्रोजन 80 किग्रा, फॉस्फोरस 60 किग्रा और पोटाश 20 किग्रा/हेक्टेयर। नाइट्रोजन का आधा और FYM, फॉस्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा बेसल के रूप में लगाएँ, शेष नाइट्रोजन 30 दिन बाद (मिट्टी भराई के दौरान) ऊपर से डालें।												
8	सिंचाई कार्यक्रम		प्रत्यारोपण के तुरंत बाद पौधों को हल्का पानी दें और पौधों के स्थिर होने तक सिंचाई जारी रखें, आगे की सिंचाई आवश्यकता अनुसार करें। मिट्टी में पानी की मात्रा बराबर होनी चाहिए, नहीं तो फसल में फटने की समस्या आ सकती है।												
9	निराई/ खेत की बीच-बीच में जुताई		रोपाई के 20 दिन बाद पहली और 40 दिन बाद दूसरी निराई करें।												
10	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव		पहाड़ी क्षेत्र: (i) रोपाई के 30 दिन बाद 3000 ppm बोरॉन (3g/लीटर) पत्तियों पर छिड़कें, छिड़काव घोल 650 लीटर/हेक्टेयर हो। (नोट: बोरेक्स में 11.3% और वोरिक एसिड में 17.5% बोरॉन होता है।) (ii) रोपाई के 32–45 दिन में कमर्शियल माइक्रोन्यृट्रिएंट फॉर्मूलेशन को दो हिस्सों में बांटकर दो बार में लगाएँ।												
11	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण		तितली के लावों और पत्ती खाने वाले अन्य कीटों के लिए: इमामेक्टिन वेंजोएट 5% SG @ 0.5 ग्राम/लीटर खिड़कें फील्ड क्रिकेट, कटवर्म, लाल चींटियों और मिट्टी के अन्य कीटों के लिए: फ्लुवेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैब्रिन 5.56% w/w SC @ 0.5 मिली/लीटर खिड़कें। ब्लैक रोट: प्रत्यारोगण के बाद मिट्टी में 100-200 ppm (0.1-0.2 ग्राम/लीटर) स्ट्रेटोमाइसिन का घोल डालें। पत्ती खाने वाले कीट को नियंत्रित करने के लिए: एबामेक्टिन 1.8% EC (0.5-1 मिली/लीटर), ब्रिप्स / एफिड्स : फ्लोमिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) या फ्लुबेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैब्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) क्रूट फ्लाई: फेरोमोन ट्रैप का प्रयोग करें। 1 मिली/लीटर दर से डेल्टामैब्रिन का खिड़काव करें खेता कीट किया के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।												
12	फसल काटना		55–60 दिन में फसल कटाई योग्य हो जाती है। देर से पकने वाली किस्में, 75–80 दिन के आसपास												
13	प्रति एकड अपेक्षित उपज		उचित देखभाल वाली फसल से आदर्श हालात में 20–25 टन उपज होती है												
13	সার প্রভ জ্যালর ওপ্ত		जायत पञ्चमाण पाणा कत्तण त जाप्या हाणात म ∠U−2O टन उपज हाता ह												
14	भंडारण		फसल कटाई के बाद पत्ता गोभी को ठंडी और आर्द्र जगह में, 95–98% हयूमिडिटी के साथ रखें। भंडारण से पहले, ढीले पत्ते छॉटकर 3–6 मजबूत आवरण पत्तियाँ छोड़ दें और उसका शीर्ष भाग चोट या क्षति से मुक्त रहे।												
15	क्यान करें		पत्तागोभी की कटाई के समय ज्यादा पानी देने से बचें, अन्यथा हेड स्प्लिटिंग का खतरा रहता है। हेड बनने के समय अत्यधिक नाइट्रोजन न दें, यह एफिड्स के प्रकोप और हेड स्प्लिटिंग का कारण बन सकता है।												
16	क्या करें														
नोट	यह जानकारी सिर्फ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष	क्षेत्र से जड़ी अनशंसाओं के वि	ाए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।												
'IIG															
सावधानियाँ	फसल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव प कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	गड़ सकता है। अतः सलाह है <sup>हि</sup>	के सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज उर्वरक और												



कोबी हायब्रीड **हाइब्रिड. शशि, सूर्या** 



# कोबी पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील कोबीच्या सर्वोत्तम वियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे कोबीचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंव करते. क्रिस्टलच्या कोबीच्या वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.

उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपयो सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

	6141NO. 11111, KAI															
कालावधी	85-95 दिवसांनी											<b></b>				
खरीप	होय											. <b> </b>				
रब्बी	होय			ļ	ļ						<b> </b>	-				
वसंत ऋतू सिंचनाचा स्रो	 त बोअरवेल/ कालवा		<b></b>								<b></b>					
1314114141	41912430 013141	1	॥ कपया नोंद '	∥ घ्याकी. हव	॥ गमानाच्या प	॥ 	॥ सार पिकाची	ाढ आणि वाढ आणि	॥ प रिपक्वता	। वेगवेगळी व	गस शकते.	11				
अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत				T		एकर उत्पाद									
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृषी					भारतातील मुख्य कोबी लागवडीचा हंगाम ऑगस्ट ते नोव्हेंबर किंवा मैदानी प्रदेशात रब्बी हंगाम असतो. तथापि, कोबीच्या काही जातींची जबळजबळ वर्षभर लागवड करता येते, विशेषतः डोंगराळ भागात पेरणीचा कालावधी मे ते सप्टेंबर असतो.										
2	जमीन/माती				5.5-6.5 सा	म् (pH) असर	तेली चांगली निच	रा होणारी वाल्	कामय चिकणमात	ì.						
3	हंगाम. पेरणी/लागवर्ड	ोची वेळ		ऑगस्ट ते न	गेव्हेंबर किंव	ा रब्बी हा व	नेबीसाठी अ	ादर्श हंगाम	भाहे							
4	बियाणांचा दर पेरणी/	′लागवडीची पद्धत			संकरानुसार प्रति एकर 120-180 ग्रॅम. 30-45 दिवसांची सकस रोपे लावा. (6 पाने आणि सुमारे 8-10 सेमी लांबीची रोपे)											
5	मुख्य शेताची तयारी ः	आणि लागवड	जिमनीची खोलगट मशागत करावी आणि शेणखत किंवा कंपोस्ट वापरावे. माती परीक्षणाच्या निकालानुसार दर 3 वर्षांनी विरविलेला चुना वापरण्याचा सल्ला दिला जातो. लागवडीच्या किमान 30 दिवस आधी चुना लावावा.													
6	अंतर				(प्रत्येक वाफ्यामध्ये x प्रत्येक रोपांदरम्यान): 60 सेमी x 30 सेमी											
7	सेंद्रिय पदार्थ आणि ख	ते	शेणखत 10 टन, नत्र 80 किलो, P205 60 किलो आणि पालाश 20 किलो/हेक्टर. अर्धे नत्र आणि पूर्ण शेणखत, P205 आणि पालाश 20 हा मूलभूत डोस म्हणून द्यावे आणि उर्वरित अर्धे नत्र लावणीनंतर 30 दिवसांनी (माती भरताना) वर घालावे.													
8	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रि	क्रेया				रोपे तयार हं कुटू शकतात.		डेथोडे पाणी	द्यावे आणि	त्यानंतर आव	वश्यकते	ोनुसार पार्ण	ी द्यावे. र्जा	मिनीत पाणी	एकसारखे पसरावे	
9	खुरपणी/आंतरमशागत	ī			लागवडीनं	तर 20 दिवर	गांनी पहिली	आणि 40 नि	देवसांनी दुस	री दोन खुर	ग्णी करा.					
10	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ	इ नियामक फवारण्या			डोंगराळ प्रदेशासाठी (i) बोरॉन 3000 ppm (3 ग्रॅम/लिटर) रोप लावणीनंतर 30 दिवसांनी 650 लिटर स्प्रे द्रावण/हेक्टर या प्रमाणात पानांवर फवारणी म्हणून करावी. (बोरॅक्समध्ये नत्रयुक्त बोरॉनचे प्रमाण 11.3% आणि बोरिक आम्ल 17.5% असते.) (ii) शिफारशीनुसार लागवडीनंतर 32-45 दिवसांनी व्यावसायिक सूक्ष्म पोषकद्रव्य दोन भागांमध्ये वापरा.											
11	कीटक आणि रोग नियंत्रण					सुरवंट आणि पाने खाणारे इतर कीटक: एमामेक्टिन बेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) फवारणी करा. शेतातील किडे, कुरतडणारी अळी, लाल मुंग्या आणि इतर मातीतील कीटक: फ्लुबेन्डियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56 % भा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) वापरून वापरा. काळा कुजवा: लागवडीनंतर स्ट्रेप्टोमायसिनच्या 100-200 ppm द्वावणाने ((0.1-0.2 ग्रॅम/लिटर) माती भिजवा. पाने खाणारी आळी: अवामेक्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), फुलिकिडे / मावा: फ्लोनिकामिड 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुबेन्डियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56 % भा/आ SC (0.5 मिली/लिटर) फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा डेल्टा मिथ्रिन 1 मिली/लिटर										
12	कापणी				कापणीसाट	ਹੈ 55-60 ਵਿ	वसांनी तया	र. उशिरा ये	ाणारे वाण, र	नुमारे 75-8	0 दिवसांनी					
13	प्रति एकर अपेक्षित उत	त्पादन									)-25 टन उत्		मेळते.			
14	साठवणूक				II .						ठेकाणी साठव गर नाही या				—- बाहेरील पाने	छाटून फक्त 3 ते
15	करू नका								नये, कारण त ागाभा फुटण			शक्यत	ा वाढते. क	गपणीच्या व	काळात जमिन	नीत नायट्रोजनचे
16	करा															
नोंद		सामान्य सल्ले दिले आहेत.														
घेण्याची काळजी		णि उत्पन्नावर विविध घटक रा. बियाणे, खते आणि कीट					कृषी अधिव	जऱ्यांचा सल	ला घेण्याची	शिफारस के	ली जाते. के	वळ उच्च	व्व दर्जाची ख	वर्त आणि र्व	ोटकनाशके व	गपरली जात





### ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ಬೇಸಾಯದ ಕ್ರಮಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ಬೀಬಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ಬೀಬಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ಗೆ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವಿದೆ, ಈ ಬೀಬಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈದ್ರಿಡ್ ಬೆಳಗಳನ್ನು ಅಭ್ವವಿದ್ದಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಬಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ನ ಕ್ಯಾಬೀಜ್ ಬೀಬಗಳು ಆತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಜೈತನ್ಯವನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.

	٠																
ೈಬ್ರಿಡ್ ಕ್ಯಾಬೇಜ್	ಹೈಬ್ರಿಡ್, ಶಶ್ರಿ ಸೂರ್ಯ																
<b>ಸ</b> ಧಿ	85-95 ದಿನಗಳು		<del></del>	<del> </del>					<del> </del>	<del> </del>		<del>-</del>					
ುಂಗಾರು	ಹೌದು																
ುಗಾರು	ಹೌದು								<b>_</b>	ļ							
						<b></b>			-	-							
ರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್ವೆಲ್/ ಕಾಲುವೆ			ಗಯನಿಟ್ಟು ಸಮ್ಮ	ಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ	ಗಳ ಪ್ರಕಾಗ ಬೆಲೆಯ ಬೇ	ವಯೇಗೆ ಮತ್ತು ಪಡೆಯುತ್ತಿ	       ಆಗಿದ ಪಾರ್ಗಿಗಳುಹಂದು	l .		1	I .					
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣ	ಹೆಗಳು /ಪದ್ಮತಿ				ವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ :											
		•			_			ರ್ ವರೆಗೆ ಅಥವಾ ಬಂ	ಬಲು ಪ್ರದೇಶಗಳಿಗೆ ರಾಬಿ	ಋತುವಾಗಿದೆ. ಆದರೆ ಕೆ	ಲವು ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ತಳಿಗಳನ	ಸ್ತು ವರ್ಷವಿಡೀ					
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-	.ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	)			- ಷವಾಗಿ ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರಕ			-								
2	ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು					, ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು											
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮ	ಯ				್ವರೆಗೆ ಅಥವಾ ರಾಬಿ ಹಂ						2 5					
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ,	/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.				ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ 120–180 ಗ್ರಾಂ, ಇದು ಹೈಬ್ರಿಡ್ ತಳಿಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿರುತ್ತದೆ. 30–45 ದಿನ ವಯಸ್ಸಿನ ಗಟ್ಟಿಯಾದ ಸಸಿಗಳನ್ನು (6 ಎಲೆಗಳು ಮತ್ತು ಸುಮಾರು 8–10 ಸೆಂ,ಮೀ. ಇರುವ ಸಸಿಗಳನ್ನು) ನಾಟಿ ಮಾಡಿ											
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯ	ಖಾರು ಮಾಡುವುದು	ಮತ್ತು ನಾಟಿ					್ನ ಹಾಕಬೇಕು. ಮಣ್ಣಿನ	ಪರೀಕ್ಷಾ ವರದಿಗನುಗುಣಾ	ವಾಗಿ ಪ್ರತಿ 3 ವರ್ಷಗಳಿಗೆ.	<u>ಎಮ್ಮೆ</u> ಸುಣ್ಣ ಹಾಕುವುದ	ಮ ಸೂಕ್ತ. ಸುಣ್ಣವನ್ನು					
					ಎಟ ಮಾಡುವ ಕನಿಷ್ಠ	30 ದಿನಗಳ ಮೊದಲು ಡ	ಎರಬೀಕು.										
6	ಅಂತರ				(ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ × ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ): 60 ಸೆಂ.ಮೀ.×30 ಸೆಂ.ಮೀ												
					ಹಸುವಿನ ಗೊಬ್ಬರ @	10 ಟನ್, ಸಾರಜನಕ 8	) ಕೆಜಿ, ರಂಜಕ 60 ಕೆಜಿ ತ		ಕೆಜಿ/ಹೆಕ್ಟೇರ್. N ಅರ್ಧದ	ಷ್ಟು ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು I	YM, P2O5 ಮತ್ತು I	K2O ನ ಸಂಪೂರ್ಣ					
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ	ಖ್ <mark>ಬರಗಳು</mark>			ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಆರಂಭ	ರಿಕ ಡೋಸ್ ಆಗಿ ಹಾಕಿ, ೮	vಳಿದ ಅರ್ಧದಷ್ಟು ಸಾರ <u>ು</u>	ಸನಕವನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡಿ	ಡಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ (ಕ	ಮಣ್ಣು ಏರಿಸುವ ಸಮಯ	ುದಲ್ಲಿ) ಮೇಲುಗೊಬ್ಬ	ರವಾಗಿ ನೀಡಬೇಕು.					
		·			ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಬೇಕು, ಮತ್ತು ಸಸಿಗಳು ನೆಲೆಯೂರುವವರೆಗೆ ಇದನ್ನು ಮುಂದುವರೆಸಬೇಕು ಹಾಗೂ ನಂತರ ಆಗತ್ಯವಿದ್ದಾಗಲಿಲ್ಲ ನೀರಾವರಿ ಒದಗಿಸಬೇಕು,												
8	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ					ವಿಗುರವಾಗ ನೀರು ಹಾಯ ಭ್ಯತೆ ಸಮನಾಗಿರಬೇಕು, ಇ			ಟನ್ನು ಮುರಬುವರಿಸಬನ	n manua abec one	ಯದಿಂದಗಳಲ್ಲಿ ೧೯೮೯ಎ	o wanawa.					
						, pp 1	.0,,00000 0000										
9	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಅಂತರ-೭	ಬೇಸಾಯ			ಎರಡು ಬಾರಿ ಕಳೆ ತೆಗೆಣ	ಬಬೇಕು. ಮೊದಲನೆಯದ	ನ್ನು ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 20	ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮತ್ತು	ಎರಡನೆಯದನ್ನು 40 ದಿನ	ಗಳ ನಂತರ ಮಾಡಬೇಕು							
	11, 1130-0				1222316	. ,											
					ಗುಡ ರಾಡು ಪನೇಶಕೆ	. :(i) ಪಾಟ ಮಾಡಿದ 30	ದಿನಗಳ ನಂತಗ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ	ೂಗ್ ಗೆ 650 ಲೀಟರ್	ಒಪಡಹಾ ದಾವಣಗಳಿ	3000 ppm (3 75-2	/ಲೀಟನ್) ಬೆಂದಾನ್ ಇ	-ನು ಎಣಿಗಳ ನೇಂಗೆ					
10	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/	/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ	ಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು		ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ :(i) ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಪ್ರತಿ ಪೆಕ್ಟೇರ್ಗೆ 650 ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಣಾ ದ್ರಾವಣದಲ್ಲಿ 3000 ppm (3 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಬೋರಾನ್ ಅನ್ನು ಎಲೆಗಳ ಮೇಲೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ. (ಸೂಚನೆ: ಬೋರಾಕ್ಸ್,ನಲ್ಲಿ ಬೋರಾನ್ ಅಂಶ 11.3% ಮತ್ತು ಬೋರಿಕ್ ಆಮ್ಲದಲ್ಲಿ 17.5% ಇರುತ್ತದೆ.)(ii) ವಾಣಿಜ್ಯ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಸೂತ್ರೀಕರಣವನ್ನು ಶಿಫಾರಸ್ಸಿನ												
10					ಪ್ರಕಾರ, ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ 32-45 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಎರಡು ಕಂತುಗಳಲ್ಲಿ ನೀಡಿ.												
					ಕಂಬಳಿ ಹುಳುಗಳು ಮಾ	ಕಂಬಳಿ ಹುಳುಗಳು ಮತ್ತು ಇತರ ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟಗಳಿಗೆ: ಎಮಾಮೆಕ್ಟಿನ್ ಬೆಂಜೋಯೇಟ್ 5% SG(0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಸಿಂಪಡಿಸಿ											
									್ಲಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.3	,	.56% w/w SC(0.5	ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್)					
					ಅನ್ನು ಹಾಕಿ				-		,	,					
						ಕಪ್ಪು ಕೊಳೆ ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ನಾಟಿ ಮಾಡಿದ ನಂತರ 100-200 ppm ದ್ರಾವಣದೊಂದಿಗೆ (0.1-0.2 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಸ್ಟ್ರಪ್ಪೋಮೈಸಿನ್ನಿಂದ ಮಣ್ಣನ್ನು ನೆನೆಸಿ.											
11	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂ	ಂತ್ರಣ				ಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC		, .		200/ 1000	- FC0// OC/2 5	- 5					
						ರಿಂತ್ರಣಕ್ಕ: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿ :ಮೋನ್ ಬಲೆಗಳನ್ನು ಬ		- ,	ಫ್ಲಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.0	33%+ಡಲ್ಟುಮಥ್ರಿನ್ <u>!</u>	5.50% W/W SC(0.5	) ಎಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬ					
					Salation (special shops)	(mr/o moustoné m.		,									
					ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮಾ	ತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ	ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿ	ಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಷ	ಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕ	ಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.							
40	ಕೊಯ್ಲು				55-60 20 22 25 25	ನವನವನ ನಲಿ ಕುಸಾನಿಕೆ	ಸಿದ ಸಾಗುತ್ತದೆ ತದ್ದ	ನಿನಿ ಉದುವ <b>ತ</b> ಲಿಗಳು ಸ	ುಮಾರು 75−80 ನಾಟಿ ಕ	ನಾಡಿದ ನಂತರ ನಲಿ							
12	ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳು	ುವರಿ				, ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿ				ಎಂಬದ ಬರು ಬರ್ಲ							
10	J	<u> </u>				.,	20 20										
14	ಶೇಖರಣೆ								ಳ್ಳ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಸಂಗ್ರಹಿಸು	-		ಹೊದಿಕೆ ಎಲೆಗಳನ್ನು					
14					ಉಳಿಸಲು ಸಡಿಲವಾದ ಎಲೆಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಹಾಕಿ, ಮತ್ತು ಕ್ಯಾಬೇಜ್ನ ಮುಖ್ಯ ಭಾಗವು ಯಾವುದೇ ಗಾಯ ಅಥವಾ ಹಾನಿಯಿಂದ ಮುಕ್ತವಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.												
45	ಮಾಡಬೇಡಿ				ಅತಿಯಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯ	ಬಸಬೇಡಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಕ	್ಯಬೇಜ್ ತಲೆಯು ಪಕ್ವತ	ಾಗುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ, ಏ	ಕೆಂದರೆ ಇದು ತಲೆ ಬಿರುಕು	ಬಿಡಲು ಕಾರಣವಾಗಬಹ	ವದು. ಕಟಾವಿನ ಸಮೀಪ	ಅಧಿಕ ಸಾರಜನಕವನ್ನು					
15	ಯಾಹುದರ				ನೀಡುವುದು ಕಡ್ಡಾಯವಾಗಿ ತಪ್ಪಿಸಬೇಕು, ಏಕೆಂದರೆ ಇದು ಎಲೆ ತಿಗಣೆ ಹೆಚ್ಚಳಕ್ಕೆ ಕಾರಣವಾಗಿ ಕ್ಯಾಬೇಜ್ ತಲೆ ಬಿರುಕು ಬಿಡುವಂತೆ ಮಾಡಬಹುದು.												
16	ಮಾಡಬೇಕಾದವು																
10 <b>ಚನೆ</b>		ಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿ	ದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ	, ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾ	<u>॥</u> ರಸ್ತುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ	್ಮ, ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ	್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನು:	ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.									
	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು	ಇಳುವರಿಯು ನಿನಿಕ	ಸ <i>ಅಂಸಗಳಿಂದ ಪ್ರಾ</i> ವಿಸಿ	ಸವಾಗಬಹುದು ಆದ-ನಿಂದ		ಯ ಕಪೀಡಿಕಾಗಿಯನು	- ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಸಿಪಾದಸ	ವಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉ	ತ ಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ದಸ	ೊಬ್ಬಗಗಳು ಮತ್ತು ಕಿಂ	ತಿನಾಸಕಗಳನ್ನು ನರ್ನಾ.	ಬಲಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು					





కాబేజీలో పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి శుభాకాంక్షలు! క్రిఫ్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన కాబేజీ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన కాబేజీ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిఫ్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిఫ్టల్ అత్యాధునిక టెక్స్టాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిఫ్టల్ కాబేజీ విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్యాలను ఓ

అద్భుతమైన దెగుబం ముందు ఈ స్వాననల	ತ ೯೦೪ು ದಯದನಿ ಹಿತ್ತಮಿಮಿನ ವ್ಯವನ್ ಯ ಆದ ಎನು చదవాలని ಮೆಮು ಮಿಮ್ಮಲ್ನಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಸ್ತುನ್ನಾ	.రణలను పాయించండి. క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే .ము										
హ్మబిడ్ కాబేజీ												
	సూర్య 📗											
°లము పరిమితి బరీఫ్	85-95 DAS											
ည် သိ	అవును											
 సంత కాలము												
ఎటి పారుదల వనరు	బోర్ బావి/కాలువ											
		పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు										
<u>క్ర.</u> సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్										
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ- వాతావరణ జోన్	భారతదేశములో కాబేజీని పండించే (ప్రధాన సీజన్ ఆగస్ట్ నుంచి నవంబర్ లేదా పల్లిపు (పాంతాలకి రబీ సీజన్. అయితే, కొన్ని కాబేజీ వంగడాలను సంవత్సరము-అంతటా పండించవచ్చు, వీటిని నాటే సమయము మే నుంచి సెఫ్టెంబర్ మధ్యలో వుంటుంది, ముఖ్యముగా కొండ (పాంతాల్లో.										
2	భూమి/మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమ్ మట్టి pH 5.5-6.5.										
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	ఆగస్ట్ నుంచి నవంబర్ లేదా రబీ కాలము కాబేజీలకి సరిపడిన సీజన్										
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతీ.	మై బ్రీడ్ ఆధరముగా, ఎకరానికి 120-180 గ్రాములు. 30-45 రోజుల వయసు వున్న బలమైన మొలకలను మళ్ళి నాటండి. (మొలకలకు 6 ఆకులు వుండాలి మరియు అవి 8-10cm వుండాలి)										
5	ప్రధానమైన పొలముని తయారు చేయడము మరియు నాటడము	పొలముని మంచి నాణ్యత కలిగిన దాని లాగా తయారు చేయాలి మరియు దానికి ఎప్పైనుం లేదా కాంపోస్ట్ అప్లై చేయాలి. మట్టి యొక్క టెస్ట్ ఫలితాల ఆధారముగా దానికి [పతి 3 సంవత్సరాలకి తడి సున్నము అప్లై చేయాలని సూచించడము జరిగినది. నాటడానికి కనీసము 30 రోజుల ముందు తడి సున్నముని అప్లై చేయాలి.										
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	(రో నుంచి రో x మొక్క నుంచి మొక్క): 60 cm x 30 cm										
7	ఎర్పువం (FYM) @ 10 టన్నులు, N 80 కిలోలు, P205 60 కిలోలు మరియు K20 కిలోలు/ హెక్టార్. N లో సఖవ మరియు ఎఫ్పైవెం (FYM), P205 మరియు K20 యొక్క హ్హర్తి డోసులను బేసల్ డోస్ గా అపై చేయాలి మరియు మిగిలిన సఖము N ని టాప్ డ్రెస్సింగ్ గా నాటిన 30 రోజుల తరవాత (మొక్కల దర్గర మట్టిని ఎత చేసే సమయములో) వేయాలి.											
8	నీటి పారుదల షెడ్యూల్ మెక్కలను మళ్ళి నాటిన తరవాత, తెలికగా నీటిని పెట్టాలి మరియు మొలకలు తట్టుకుని నిలబడే వరకూ ఇది కొనసాగించాలి మరియు ఎప్పుడు అవసరము అయితే అప్పుడు తదనుసారముగా నీటిని పెట్టాలి. మట్టిలో నీటి లభ్యత అంతటా సమానముగా వుండాలి, లేదంటే చీలికలు ఏర్పడవచ్చు.											
9	కలుపు మొక్కలు తీయడము/అంతర్గత- కల్టివేషన్	మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత, రెండు సార్లు కలుపు మొక్కలు తొలగించాలి, మొదటిది 20 రోజులకి మరియు 2వది 40 రోజులకి చేయాలి.										
10	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ [స్పేలు	కొండ జోన్ లో (i) 3000 ppm (3(గాములు/లీటరు) లెక్క బోరాన్ అప్లై చేయండి ఇది మొక్కలను మళ్ళి నాటిన తరవాత 30 రోజులకి ఆకుల మీద పిచికారీ చేయాలి @ 650 లీటర్ల పిచికారీ (దావకము/ హెక్టారు (ఎన్. బి. (N. B.) బోరాన్ అంటే బోరాక్స్ 11.3% మరియు బోరిక్ యాసిడ్ 17.5%) (ii) ఇచ్చిన సూచనల ప్రకారము మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత 32-45 రోజులకి కమర్షియల్ సూక్ష్మపోషకాల ఫార్ములేషనుని రెండు దఫాలుగా అప్లై చేయాలి.										
11	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	గొంగళి పురుగులు మరియు ఆకులను తీనే ఇతర పురుగులు: ఎమామెక్షిన్ బెస్డ్ యేటీ 5% SG (0.5 (గ్రాములు/లీటరు) పిచికారీ చేయండి పొలములో-(కెకెట్ పురుగులు, కత్తెర పురుగులు, ఎ(ర చీమలు మరియు ఇతర మట్టి కీటకాలు: ఫ్లూబెస్టియమైడ్ 8.33 % +డెళ్లొమెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/లీటరు) అప్లై చేయండి నల్ల కుళ్ళు తెగులు: మొక్కలను మళ్ళీ నాటిన తరవాత ( సెళ్లి మైసిన్ 100-200 ppm (దావకము (0.1-0.2 (గ్రాములు/లీటరు) తో మట్టిని (డెంచ్ చేయండి. ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్షిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), అమరు పురుగులు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (0.5 (గ్రాములు/లీటరు) లేదా ఫ్లూబెఫ్టియామైడ్ 8.33 % +డెళ్లొమెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (0.5 ml/ లీటరు) పండు ఈగ: ఫైరమోన్ (టాప్లను ఉపయోగించండి. డెళ్లా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కం(టోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ ఫానిక వ్యవసాయ అపిసరను సం!పదించండి.										
12	కోత	55-60 డిఏటి (DAT) కి ఇవి కొతకి సిధ్ధముగా వుంటాయి. ఆలస్యముగా పెరిగే వంగడాలు, 75-80 డిఏటి (DAT) కి సిధ్ధము అవుతాయి										
13	ఎకరానికి ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితుల్లో, బాగా మేనేజ్ చేసిన పంట 20-25 టన్నుల దిగుబడి ఇస్తుంది										
14	స్టోర్ చేయడము	కోత తరవాత, కాబేజీని చల్లని, తేమ కలిగిన (పదెశములో 95-98% రిలెటివ్ తేమలో స్టోర్ చేయాలి. స్టోర్ చేసే ముందు, లూజుగా వున్న ఆకులను కత్తిరించండి 3-6 గట్టిగా రాప్ చేసిన ఆకులు వుండేలా చూసుకోండి మరియు కాబేజీ తల భాగము దెబ్బలు లేదా ఏదైనా పాడవడము లేకుండా చూసుకోండి.										
15	చేయకూడనివి	కాబేజీ తలలు పక్వముకి వచ్చే సమయములో ముఖ్యముగా, అధికముగా నీరు పెట్టకండి, ఇది తల భాగము చీలిపోయేలా చేయవచ్చు. కోత సమయము దగ్గరలో వున్నప్పుడు అధికముగా నుతజని ఇవ్వకండి, ఇది పేను బంక ఆశించేలా చేసి కాబేజీ తలలు చీలిపోయేలా చేస్తుంది.										
16												
గమనిక		॥ హాలు మాత్రమే. [పత్యేక [పాంతాలకి సంబంధించిన [పత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రా[ఫ్లే స్థాని!										
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కే	కారణాల వలన [ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానికి వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు వలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని రెయు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్తులను మీ వధ వృంచుకోండి.										





## বাঁধাকপি চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উংকৃষ্ট বাঁধাকপির বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের বাঁধাকপি বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের বাঁধাকপি বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।

অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোন্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

SICH INIT TOP	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·																
হাইব্রিড	হাইব্রিড.																
বাঁধাকপি	শশি, সূর্য																
সময়সীমা খরিফ	85-95 DAS হ্যাঁ		<b></b> -	<b> </b>	<b></b>				<b></b>	<b> </b> -	<b></b>	<b> </b> -					
রবি	হাঁ		┨	<b> </b>	<b></b> -					<b> </b>	<b></b>						
বসন্ত	<del> </del>		1	<b> </b>						<b></b>		l					
সেচের উৎস	বোরওয়েল/ খাল																
		রে মনে রাখবেন	যে আবং	য়ওয়ার '						<b>হ</b> তা আস	নার সময়	ভিন্ন হড়ে	ত পারে				
ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপ	ারেশন/ পদ্ধতি				কর ইনপূ											
1	এলাকার উপযোগ	গিতা/কৃষি-জলবায়ু	জোন		তবে, কি		পি প্রায় হ	নারা বছর						র জন্য রবি ম হ সেপ্টেম্বর প			
2	জমি / মার্টি					pH সহ ভ											
3	ঋতু। বপন/রোপ							দর্শ মরশু									
4	বীজের হার। বপ	(6টি পা	120-180 গ্রাম প্রতি একরে, হাইব্রিডের উপর নির্ভরশীল। 30-45 দিন বয়সী সতেজ চারা প্রতিস্থাপণ করুন। (6টি পাতা এবং প্রায় 8-10 সেমি চারাগুলি)														
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তু	করতে হ	মাঢ়ি ভালোভাবে চাষযোগ্য মৃদু তেলময় করে স্রস্তুত করতে হবে এবং FYM অথবা কম্পোণ্ড প্রয়োগ করতে হবে। মাটি পরীক্ষার ফলাফলের অনুযায়ী প্রতি 3 বছরে একবার স্লেকড লাইম প্রয়োগ করা উচিং। রোপণের কমপক্ষে 30 দিন আগে চূন প্রয়োগ করা উচিং।														
6	ফাঁক				(সারি থে	সারি থেকে সারি x উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ): 60 সেন্টিমিটার x 30 সেন্টিমিটার নাম ভ্রান্তন্ত, দওত কেনত, ন 205 তে কোল এক চেহত কোলোকেছমান এম অবেক এক । নাম, г 205											
7	জৈব এবং রাসায়	ানিক সার	িশন জ্রে 10 र, ম ৪০ কোজ, 1203 চ০ কোজ এবং মহত কোজকেম্বরণ ম এম অবেক এবং 1 শন, 1203 এবং K20 এর সম্পূর্ণ ডোজ বেসাল সার হিসাবে প্রয়োগ করতে হবে এবং বাকি অর্ধেক N রোপণের 30 দিন পরে (মাটি তোলার সময়) উপরের সার হিসেবে দিতে হবে। আভহাগণের 12ক শরে থাণকা জুণ দেওয়া ভাচং এবং চায়া হায়া ২ওয়া শবস্ত আচ অধ্যাহত রাবা ভাচং														
8	সেচের সময়সূচী		পরবর্তী	বাবিত্ব বিষয়োজনে সেচ দেওয়া যেতে পারে। মাটিতে জলের প্রাপাতা সমানভাবে থাকা উচিং, না হলে ফা <u>টল ধরে যাওয়ার সন্ধারনা থাকে।</u> দুইবার আগাছা নিবারণ করুন, প্রতিস্থাপণের পর প্রথমবার 20 দিন পরে এবং দ্বিতীয়বার 40 দিন পরে।													
9	আগাছা নিবারণ/	মধ্যশস্য পরিচর্যা			দুইবার ত	যাগাছা নি	বারণ ক	রুন, প্রতি									
10	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ	বোরণ প্র এবং বো	পাহাড়ি জোনের জন্য (i) প্রতিস্থাপণের 30 দিন পর ফলিয়র ছিটান হিসাবে 3000 পিপিএম (ব্রগ্রাম/লিটার) বোরণ প্রয়োগ করুন @ 650 লিটার ছিটান সলিউশন/হেক্টর। (N. B. বোরাক্সে বোরনের পরিমাণ 11.3% এবং বোরিক অ্যাসিডে 17.5%।) (ii) প্রতিস্থাপণের 32-45 দিন পরে পরামর্শ অনুযায়ী বাণিজ্যিক মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট ফর্মুলেশন দুই ভাগে ব্যবহার করুন। স্তর্যাদোক্য এবং অনুসাম শাতা বাতুরা কাত: এমামোন্ত্বন বেশজোরেত ১% ১৬ (৩.১ এমামানাতার) ছিতান														
11	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ					জানে নিজ এবং জন্যান্স নিজ বাজান পাত এবান পাত এবান কি বিজ্ঞান কি											
					ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথোর জন্য, অনগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি												
12	ফসল কাটা				প্রতিস্থাপ 75-80 দি		60 দিন গ	ার ফসল	কাটার ড	জন্য প্রস্তু	ত। দেরিত	ত ফলানো	জাতের ড	জন্য, প্রতিস্থার্ণ	শণের প্রায়		
13	প্রতি একরে প্রতা	্যাশিত ফলন										!5 টন ফল					
14	সংরক্ষণ				সংরক্ষণে		, ঢিলা প	তা কেটে	ফেলুন	যাতে 3-6	টি আঁটস			নে সংরক্ষণ ব থাকে এবং মাং			
15	করবেন না											নিম, কাম । ট্রাজেন এ। টে যেতে '		ব্যবহার করা ট	উচিং <b>ন</b> য়,		
16	করবেন																
দ্রস্টব্য	উপরের তথ্যটি এ	একটি সাধারণ পরা	মৰ্শ। নিৰ্দি	ষ্ট এলাক	ার জন্য বি	বৈশেষ সুপ	ণারিশের	জন্য, অ	নুগ্ৰহ কৰে	র স্থানীয়	রাজ্য কৃগি	ষ দপ্তরের	সঙ্গে যোগ	গাযোগ করুন	п		
সতৰ্কতা		এবং ফলন বিভিন্ন চছ। নিশ্চিত করুন															





## বন্ধাকবি অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট বন্ধাকবিৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ বন্ধাকবি বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বন্ধাকবিৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কৃৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ

আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড বন্ধাকবি	হাইব্রিড. শশি,											
NINI EVEL	<u> भूर्या</u>											
সময়কাল খাৰিফ	85-95 DAS হয়	_										
वावि बावि	হয়	_	-									
বসন্ত		_	-									
জলসিঞ্চনৰ উংস	ব'ৰৱেল/ কেনেল	_										
0(1114044 0(1		গৈহ কৰি মন কৰি	্য বৰ্ব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।									
ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য্য/অনুশীলন	Д	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট									
द्धानक स्वन	- 1146 147 4-1 4037 SA X 11-1 4		THE THE THE SECTION OF THE SECTION O									
1	অঞ্চলটোৰ উপযোগীতা/কৃষি জলবায়ু	অঞ্চল	ভাৰতৰ প্ৰধান বন্ধাকবিৰ বৰ্ধিত ঋতু হৈছে আগষ্টৰ পৰা নৱেম্বৰ বা সমভূমি অঞ্চলৰ বাবে ৰবি ঋতু। অৱশ্যে, কিছুমান জাতৰ বন্ধাকবি প্ৰায় বছৰজুৰি খেতি কৰিব পাৰি, বিশেষকৈ পাহাৰত বীজ সিঁচাৰ সময় মে'ৰ পৰা ছেপ্টেম্বৰ মাহলৈকে।									
2	ভূমি / মার্টি		pH 5.5-6.5 ৰ সৈতে ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালিচহীয়া মাটি।									
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়		আগষ্টৰ পৰা নৱেম্বৰ বা ৰবি হৈছে কলৰ বাবে আদৰ্শ ঋত।									
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি		হাইব্ৰিডৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি একৰ প্ৰতি 120-180 গ্ৰাম। 30-45 দিনৰ পুৰণি শক্তিশালী বীজ সিঁচি দিয়া। (6 টা পাত আৰু প্ৰায় 8-10 ছেঃমিঃ)									
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্তুতি আৰু ৰোপণ		মাটি ভালকৈ খান্দি খান্দি FYM বা কম্পোষ্ট প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। মাটিৰ পৰীক্ষাৰ ফলাফল অনুসৰি প্ৰতি ৩ বছৰৰ মূৰে মূৰে ক্লেকড লাইম প্ৰয়োগ কৰাটো বাঞ্ছনীয়। বীজ ৰোপণৰ অন্তত: 30 দিন আগতে কল প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।									
6	ব্যৱধান		শোৰীৰ পৰা শাৰীলৈ x গছৰ পৰা গছলৈ): 60ছেঃমিঃ x 30 ছেঃমিঃ দানা দ্ৰো ত তুন, ৰ ৪০ কোজ, ৮০০ চট কোজ আৰু K20 কোজংখেৰা ৰ ব আৰা আৰু দান, ৮০০১ আৰু K20 ৰ সম্মুদ									
7	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদাৰ্থ		শান্ধ ন্তু 10 চন, N ৪৩ কোডা, P205 চট ফোড়া আৰু K20 ফোড়া,বেছৰ। N ৰ আবা আৰু F1ল, P205 আৰু K20 ৰ সং 1 হ'ড় বেছাল হিচাপে প্ৰয়োগ কৰা উচিত আৰু N ৰ বাকী আধা ৰোপণৰ পিছত ৩০ দিনত শীৰ্ষ কাপোৰ পিন্ধিব লাগে (পৃথিবী য়ুপন কৰাৰ সময়ত)।									
8	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী		ৰোপণৰ লগে লগে হালধীয়া পানী দিয়া উচিত আৰু বীজ সিঁচি খোৱা পৰ্যন্ত অব্যাহত ৰখা উচিত আৰু প্ৰয়োজন সাপেক্ষে পৰৱৰ্তী জলসিঞ্চন দিয়া উচিত। মাটিত পানীৰ উপলব্ধতা সমান হোৱা উচিত, অন্যথা বিভাজন হ'ব পাৰে।									
9	ঘাঁহ কার্টি/আন্তঃ-সংস্কৃতি		দুবাৰকৈ অপতৃণ কৰাব লাগে, প্ৰথমটো 20 দিনত আৰু 2য়টো ৰোপণ কৰাৰ 40 দিনত।									
10	ক্ষুদ্র পৃষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে		পাহাৰীয়া অঞ্চলৰ বাবে (i) ৰোপণ কৰাৰ 30 দিনৰ পিছত ব'ৰন 3000 ppm (3গ্ৰাম/লিট) পত্ৰ স্প্ৰে ইচাপে প্ৰয়োগ কৰিব লাগে @ 650 লিটাৰ স্প্ৰে দ্ৰৱ/হেক্টৰ।( N. B. বৰাঙ্গত ব'ৰনৰ পৰিমাণ 11.3% আৰু বৰিক এচিড 17.5%।) (ii)প্ৰতিৰোপণৰ 32-45 দিনৰ পিছত পৰামৰ্শ অনুসৰি বাণিজ্যিক অণুপুষ্টিকৰ প্ৰস্তুতি দুটা বিভাজিত প্ৰয়োগ কৰিব লাগে।									
11	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ		কেটাৰপিলাৰ আৰু অন্যান্য পাত খোৱা দ্ৰব্য: ইমামেক্ট্ৰিন বেনজ'ৱেট 5% SG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) স্প্ৰে' কৰক ফিল্ড-ক্ৰিকেট, কাটৱৰ্ম, ৰঙা পিপৰা আৰু অন্যান্য মাটিৰ পোক-পৰুৱা: ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেলটামেপ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) প্ৰয়োগ কৰিব লাগে। ব্ৰেক বটঃ সংৰোপণৰ পিছত 100-200 ppm (0.1-0.2 গ্ৰাম/লিটাৰ) ষ্ট্ৰেপ্টমাইচিনৰ দ্ৰৱণেৰে মাটি শুকান কৰক। পাতৰ খনিজ: এবামেক্ট্ৰিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), প্ৰিপছ /এফিড : ফ্লুনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) বা ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেলটামেপ্ৰিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) ফলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেল্টা মিপ্ৰিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।									
12	শস্য চপোৱা		55-60 DATত কার্টিবলৈ সাজু। দ্রুত জাত, প্রায় 75-80 DAT									
13	একৰ প্ৰতি প্ৰত্যাশিত ফলন		ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা আদৰ্শ পৰিস্থিতিত 20-25 টন উংপাদন হয়									
14	সংৰক্ষণ		শস্য চপোৱাৰ পিছত, বন্ধাকবিক 95-98% আপেক্ষিক আৰ্দ্ৰতাৰ সৈতে শীতল, আৰ্দ্ৰ স্থানত সংৰক্ষণ কৰিব লাগে। সংৰক্ষণৰ আগতে, 3-6 টাকৈ টান পেকিং পাত এৰি থবলৈ লঘু পাতবোৰ কাটি পেলাওক, আৰু নিশ্চিত কৰক যে মূৰবোৰ ক'লা বা ক্ষতিগ্ৰস্ত নহয়।									
15	নকৰিবা		বিশেষকৈ পৰিপক্কতাৰ সময়ত মূৰবোৰক অধিক পানী নিদিব, কিয়নো ইয়াৰ ফলত মূৰ বিভাজন হ'ব পাৰে। শস্য চপোৱাৰ সময়ছোৱাত অতিৰিক্ত নাইট্ৰ'জেনৰ ব্যৱহাৰ কৰা উচিত নহয়, কাৰণ ইয়াৰ ফলত এফিডৰ সৃষ্টি হ'ব পাৰে।									
16	কৰিবা											
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰাম <b>ৰ্শ</b> ৰ বা কৰক।	বেহে দিয়া হৈছে।	- বশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ									
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উংপাদন বিভিন্ন কাৰ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ ব	কৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হৰা হয়। বীজ, সাৰ	হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।									





### ଚନ୍ଧାଳୋଟି ଅଲ୍ୟାମର ମ୍ୟାଳେନ

ଅଭିନନ୍ଧନା ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଠାଲ୍ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ବନ୍ଧାକୋବି ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି । ଭଳମାନର ବନ୍ଧାକୋବି ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଠାଲର ବୃଢ଼ ଅଭିଞ୍ଚତା ଅଛି । ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜନବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଭଳ-ଅମନକ୍ଷମ ହାଇତ୍ରିଡ଼ ଫସଲ ବିବଣିତ କରିବା ଅଟେ । ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଜ ଗୁଣବଭାର ବିହନ ପାଇବା ନିଷ୍ଟିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଠାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୃତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ । କ୍ରିଷ୍ଠାଲର ବନ୍ଧାକାରି ବିହନ ଜୈବିକ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅକୁରୀକରଣ ଏବଂ ଭଉମ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରେ । ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋଉମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ । ନିସ୍ପଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପଭି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣକୁ ଅନୁରୋଧ

କରୁଛୁ ।	i dimati dim awilan 20aleti afa da e Mezel ande i i dimate	ଆଧାରଣ ସୁଧାରଗଗୁଞ୍ଜ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛ. ତତ୍ରି କୋଗସ ନୱର ତନ୍ତ । ପୂଦରୁ ଏହ ସୁଧାରଗଗୁଞ୍ଜୁ ପଞ୍ଚ ତନ୍ଦମକୁ ଯାତଃ। ଯାପଣଙ୍କୁ ଯନୁତରାଯ												
ବ୍ୟକୋବି ହାଇନ୍ତି	Hyb. ଶଶି, ସୂର୍ଯ୍ୟ													
ଅବଧା	85-95 DAS													
ଖରିପ	ହ													
ରବି	হঁ													
ବସନ୍ତ														
ଜଳସେଚନର	ବୋରୱେଲ/କେନାଲ													
	પદ્માત્તર વાર પટાફુ દર	। ପାଣିପାଗ ପରିଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।												
କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍												
1	ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଭାରତରେ ମୁଖ୍ୟତଃ ବନ୍ଧାକୋବି ଚାଷ ଋତୁ ଅଗଷ୍ଟରୁ ନଭେମ୍ବର କିମ୍ବା ସମଚଳ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ରବି ଋତୁ ହୋଇଥାଏ।  ତଥାପି, କିଛି ପ୍ରକାରର ବନ୍ଧାକୋବି ପ୍ରାୟ ବର୍ଷସାରା ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ, ବିଶେଷକରି ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ ବୁଣା ସମୟ ମେ ରୁ ସେପ୍ଟେମ୍ବର ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ହୋଇଥାଏ।												
2	ଭୂମି / ମାଟି	ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହୋଇଥିବା ବାଲିଆ ଦୋରସା ସହିତ 5.5-6.5 ପିଏଚ୍ ।												
3	ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଅଗଷ୍ଟରୁ ନଭେମ୍ବର ମାସ କିମ୍କା ରବି ଋତୁ ହେଉଛି ବନ୍ଧାକୋବି ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ସମୟ।												
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ହାଇକ୍ରିଡ୍ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ଏକର ପ୍ରତି 120-180 ଗ୍ରାମ। 30-45 ବିନ ପୁରୁଣା ଶକ୍ତିଶାଳୀ ଚାରା (6 ପତ୍ର ଏବଂ ପ୍ରାୟ 8-10 ସେମି ବିଶିଷ୍ଟ ଚାରା) ରୋପଣ କରନ୍ତୁ ।												
5	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	ଜମିକୁ ସୂକ୍ଷ୍ମ ଭାବରେ ଢଳାଇ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ କରିବା ଉତିତ ଏବଂ ଏଫ.ଖାଇ.ଏମ୍ କିସା କମ୍ପୋଷ୍ଟ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉତିତ। ମୃଭିକା ପରୀକ୍ଷା ଫଳାଫଳ ଅନୁସାରେ ପ୍ରତି 3 ବର୍ଷରେ ଥରେ ଚୂବ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉତିତ। ଲଗାଇବାର ଅତି କମରେ 30 ଦିନ ପୂର୍ବରୁ ଚୁବ ପ୍ରୟୋଗ କରିବା ଉତିତ।												
6	ବ୍ୟବଧାନ	(ଧାତିରୁ ଧାତି $x$ ଗଛରୁ ଗଛ): 60 ସେମି $x$ 30 ସେମି												
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ @ 10 ଟନ୍, ନାଇତ୍ରୋଜେନ 80 କିଗ୍ରା, ପି (P2O5) 60 କିଗ୍ରା ଏବଂ କେ (K) 20 କିଗ୍ରା/ହେକ୍ଟର । ଅଧା ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ଏବଂ ପୂର୍ଣ୍ଣ ମାତ୍ରା ଏଫୱାଇଏମ୍, ପି (P2O5) ଏବଂ ଜେ (K) ମୂଳ ସାର ଭାବରେ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯିବା ଉଚିତ ଏବଂ ବାକି ଅଧା ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ଲଗାଇବାର 30 ଦିନ ପରେ (ମାଟି ପକାଇବା ସମୟରେ) ଉପରେ ପକାଯିବା ଉଚିତ ।												
8	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ଚାରା ଲଗାଇବା ପରେ ଚୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ପାଣି ଦେବା ଭତିତ ଏବଂ ଚାରା ଗଢ଼ିବା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଜାରି ରଖିବା ଭଚିତ ଏବଂ ଆବଶ୍ୟକ ହେଲେ ପରବର୍ତ୍ତୀ ସମୟରେ ଜଳସେଚନ କରାଯିବା ଭଚିତ। ମାଟିରେ ପାଣିର ଉପଲବ୍ଧତା ସମାନ ହେବା ଭଚିତ, ନତେତ୍ ମାଟି ବିଭାଜନ ହୋଇପାରେ।												
9	ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃ-ଚାଷ	ଦୁଇ ଥର ଘାସ କାଟନ୍ତୁ, ପ୍ରଥମଟି 20 ଦିନରେ ଏବଂ ହିତୀୟଟି ଚାରା ଲଗାଇବାର 40 ଦିନରେ।												
10	ସ୍ୟୁ ପୋଷକ ତର୍/ତୃବି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ପାହାତିଆ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ (i) ବୋରନ୍ୱ 3000 ପି.ପି.ଏମ୍ (3 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କୁ 650 ଲିଟର ଦ୍ରବଣ ହାରରେ ପ୍ରତି ହେକ୍ଟରରେ ପତ୍ର ସିଞ୍ଚନ ଭାବରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ । (ଟିସ୍ପଶୀ: ବୋରାକ୍ସରେ 11.3% ବୋରନ୍ ଏବଂ 17.5% ବୋରିକ୍ ଏସିଡ୍ ଥାଏ ।) (ii) ସୁପାରିଶ ଅନୁଯାୟୀ ପ୍ରତିରୋପଣର 32-45 ଦିନ ପରେ ବାଣିଜ୍ୟିକ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ ମିଶ୍ରଶକୁ ଦୁଇଟି ମାତ୍ରାରେ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ।												
11	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	କାଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ପତ୍ର ଖାଉଥିବା ପୋକ: ଏମାମେକ୍ଟିନ୍ ବେଞାଧ୍ୟଟ୍ 5% ଏସଜି(SC) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ସିଞ୍ଚନ କରତ୍ନ। ଫିଲ୍ଟ-କ୍ରିକେଟ, କଟୱାର୍ମ, ଲାଲ ପିଥିଡ଼ି ଏବଂ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ମାଟି କୀଟପତଙ୍ଗ: ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡାମିଡ୍ 8.33% + ଡେଲ୍ମମେଥିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ ଏସସି (w/w SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ପ୍ରୟୋଗ କରତ୍ନ। କଳା ପଚା: ପ୍ରତିରୋପଣ ପରେ ମାଟିକୁ 100-200 ପିପିଏମ୍ ଦ୍ରବଣ (0.1-0.2 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଷ୍ଟ୍ରେଫ୍ନୋଲସିନ୍ ସହିତ ସିଞ୍ଚନ କରତ୍ନ। ପତ୍ର ଖନନବାରୀ: ଆବାସେଞ୍ଚିନ୍ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲି/ଲିଟର), ଥିପ୍ମ/ଏଫିକ୍ଟ ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲୁୟର୍ଜ (WC) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡାମିଡ୍ 8.33% + ଡେଲ୍ମମେଥିନ୍ 5.56% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ ଏସସି (w/w SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହୀର କରତ୍ନ। ତେଲ୍ମ ମିଥିନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର ୟେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟର୍ଷ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରତ୍ନ।												
12	ଅମଳ	55-60 ଦିନରେ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ଥୁତ ହୋଇଥାଏ  ବିଳମ୍ଭ କିସମ, ପ୍ରାୟ 75-80 ଦିନ ଲାଗିଥାଏ												
13	ପ୍ରତି ଏକର ଆଶାକୃତ ଅମଳ	ଭପଯୁକ୍ତ ପରିୟିତିରେ, ଏକ ଭଲ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ 20-25 ଟନ୍ ଅମଳ ମିଳିଥାଏ।												
	ସଂରକ୍ଷଣ	ଅମଳ ପରେ, ବନ୍ଧାକୋବିକୁ ୭୫-୭୫% ଆପେକ୍ଷିକ ଆହିତ ଏକ ଥଣ୍ଡା, ଆହି ସ୍ଥାନରେ ସଂରକ୍ଷଣ କରି ରଖିବା ଉଚିତ। ସଂରକ୍ଷଣ କରିବା ପୂର୍ବରୁ, ૩-6 ଟି ଦୃଢ଼ ଆବରଣ ପତ୍ର ଛାଡିବା ପାଇଁ ଖୋଲା ପତ୍ରଗୁଡ଼ିକୁ କାଟି ଦିଅନ୍ତ,ଏବଂ ନିଷ୍ଟିତ କରନ୍ତୁ ଯେ ପତ୍ରର ଅଗ୍ରଭାଗ କ୍ଷତ କିମ୍ଲ କ୍ଷତିମୁକ୍ତ ଅଛି।												
15	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	ଅଧିକ ପାଣି ଦେବାରୁ ନିବୃର ରୁହନ୍ତୁ, ବିଶେଷକରି ପରିପକ୍ତା ସମୟରେ, କାରଣ ଏହା ହାରା ଫସଲର ମୁଣ ଫାଟିଯାଇପାରେ। ଫସଲ ଅମଳ ସମୟରେ ଅଧିକ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ପ୍ରୟୋଗ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ନିଷେଧ ଅଟେ, କାରଣ ଏହା ଏଫଡ୍ ବୃଦ୍ଧି କରିପାରେ, ଯାହା ହାରା ଫସଲର ମୁଣ୍ଡ ଫାଟିଯାଇପାରେ।												
16	କରନ୍ତୁ													
ଟିପ୍ସଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ	ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।												
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟମ	ତଣ୍ଡ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁସାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିର୍ଣ୍ଣିତ କରନ୍ତୁ ସେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ଖଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।												



வத்துக்கொள்ளுங்கள்



முட்டைகோஸ் ப**யிர்டுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்** நாத்துகள் கிரஸ்டல் குடும்பதத்ல இருந்து மிக்க சிறந்த முட்டைகோல் விளத்தளில் அணைந்த தேர்வு செப்பதாளில் கிரஸ்டல் நிறுவளம் மிக்க சிறந்த அனுபவம் காண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக .யர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் முட்டைகோஸ் விதைகள் உயிரி சார் 8 உயிரி சாரா குழல்களில் தாக்கு டிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முள்ளத்தல் 8 வலிமை கொண்டவை. ) Iaச் சிறந்த மகதலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைக படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம் கோஸ் 85-95 நாட்கள் காரீப் ஆம் . ாபி ஆம் பசந்த ாசன போர்வெல் ஆதாரம் கால்வாய் யானிலை குழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள் ிவாங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முன ான விவாங்கள். ஒரு எக்கருக்கான உர உள்ள இந்தியாவில், முட்டைகோஸ் பயிரிடுவதற்கான முக்கிய பருவம் என்பது ஆகஸ்ட் முதல் நவம்பர் வரை அல்லது ு. மவெளிகளுக்கு ராபி பருவம் ஏற்றது. எனினும், சில வகை முட்டைகோஸ்களை வருடம் முழுவதும் பயிரிடலாம். பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை மண்டலம் அதன் விதைப்பு காலங்கள், குறிப்பாக, மலைகளில் மே முதல் செப்டம்பர் வரை இருக்கலாம். .5-6.5 pH கொண்ட நீர் தேங்காத பசளை மல பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம் ழட்டைகோஸ்களுக்கு ஆகஸ்ட் முதல் நவம்பர் அல்லது ராபி பருவம் ஏற்றது லப்பினத்தைப் பொறுத்து ஏக்கருக்கு 120-180 கிராம் போட வேண்டும். 30-45 நாட்கள் ஆன விரியம் மிக்க நாற்றுகளைப் விதை விகிதம். விதைத்தல் நாற்று நடும் முறை. தியம் போடுங்கள். (6 இலைகள் மற்றும் 8-10 செமீ உயரம் கொண்ட நாற்றுகள்) ிலமானது நன்கு உழப்பட்டு தயாரிக்கப்பட வேண்டும் மற்றும் எப்ஒய்எம் (FYM) அல்லது எருவைப் போட வேண்டும். மண் . பரிசோதனை முடிவைப் பொறுத்து ஒவ்வொரு 3 வருடங்களுக்கும் நீர்த்த கண்ணாம்பைப் போட வேண்டும் என பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு 5 . புறிவுறுத்தப்படுகிறது. பயிரிடுவதற்கு குறைந்தது 30 நாட்களுக்கு முன் சுண்ணாம்பு போடப்பட வேண்டும். இடைவெளி வரிசை முதல் வரிசை வரை x தாவரம் முதல் தாவரம் வரை): 60 செமீ x 30 செமீ ஒரு ஹெக்டேருக்கு தொழு உரம் FYM @ 10 டன், N 80 கிலோ., P205 60 கிலோ and K20 kg போட வேண்டும். அரையளவு N எருக்கள் மற்றும் உரங்கள் மற்றும் தொழு உரம் FYM, P205 and K20 முழு அளவுகள் அடியுரமாக போட வேண்டும். மேலும், மீதமுள்ள அரையளவு N மல் உரமாக நடவு செய்த 30 நாட்கள் கழித்து போட வேண்டும் (மண்ணைக் குவிக்கும்போது) பதியம் போட்ட உடனே, ஒரு லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும் மற்றும் நாற்றுகள் வளரும் வரை இதை தொடர வேண்டும். மேலும், தேவைப்படும் போதெல்ல்லாம் தொடர் பாசனம் செய்யப்பட வேண்டும். மண்ணில் உள்ள நீரின் இருப்பு சமமாக ாசன அட்டவணை . இருக்க வேண்டும், இல்லையென்றால் உடைதல் நிகழலாம். இரண்டு முறை களை பறிக்கப்பட வேண்டும், பதியம் போட்ட பின் முதலாவது களை நீக்கம் 20 நாட்களிலும் இரண்டாவது ளை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல் நாட்களிலும் செய்யப்பட வேண்டும் மலை பகுதிக்கு () பதியம் போட்ட பின் ஹெக்டேருக்கு ஓ650 லிட்டர் தெளிப்பு கரைசல் என 3000 பிபிஎம் (லிட்டருக்கு 3 கிராம்) போரானை இலை தெளிப்பாக போட வேண்டும். (போரக்ஸ் உள்ள N. B. போரான் அளவு 11.3% மற்றும் போரிக் நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள் ் மிலம் 17.5% ஆகும்.) (ii) பரிந்துரையின் படி, பதியம் போட்ட பின் 32-45 நாட்களில் இரண்டு பகுதிகளாக வ கயாரிப்பைப் போட வேண்டும். கம்பளிப்பூச்சிகள் மற்றும் பிற இலை உண்ணும் பூச்சிகள்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 . கிராம்) தெளியுங்கள் நிலத்தில் உள்ள-சில்வண்டு, வெட்டுப்புழு, சிவப்பு எறும்புகள் மற்றும் பிற மண்ணில் உள்ள பூச்சிகள்: ∴ப்ளுபென்டியாமைடு 3.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) போட வேண்டும். கருப்பு அழுகல் நோய்: பதியம் போட்ட பின் 100-200 பிபிஎம் (ppm) (லிட்டருக்கு 0.1-0.2 கிராம்) ஸ்ட்ரெப்டோமைசின் கரைசலை மண்ணில் தெளியுங்கள். பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு . இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ∴ப்ளோனிகாமிட் 50% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) அல்லது ்ப்ளூபென்டியாமைடு 8.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள் 55-60 நாட்களில் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். தாமதமாக முதிர்வடையும் வகைகளை 75-80 நாட்களில் அறுவடை அறுவடை 12 செய்யலாம் ஒரு ஏக்கருக்கு கிடைக்கக்கூடிய மகதல் சாதகமான நிலைகளில், ஒரு நன்குப் பராமரிக்கப்பட்ட பயிரில் இருந்து 20-25 டன்கள் மகதூல் பெறலாம். அறுவடைக்குப் பின், (மட்டைகோஸை ஒரு குளிர்வான, 95-98% ஒப்பீட்டு ஈரப்பதம் கொண்ட ஈரப்பதமுள்ள இடத்தில் 14 சேமிப்பகம் ுட்டிக்கொண்டிருக்கும் இலைகளுடன் வைப்பது முட்டைகோஸின் தலைப்பகுதிகளை கீறல்கள் அல்லது சேதத்தில் இருந்து பாதுகாப்பதை உறுதி செய்கிறது. தலைப்பகுதி உடைவதற்கான வாய்ப்புகள் உள்ளது என்பதால், குறிப்பாக தலைப்பகுதி முதிர்வடையும் போது, அதிக நீ . செய்யக்கூடாதவை 15 ராய்ச்ச வேண்டாம். அறுவடை நொநங்கும் சமயக்கில் அகிகப்படியான நைடாஜனைக் கண்டிப்பாக போடக்கூடாகு. ரனென்றால், இது செடிப்பேன் வளர்ச்சிக்கு வித்திட்டு தலைகளை உடைத்துவிடலாம் செய்ய வேண்டியவை மற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளுர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு தறிப்பு ழன்னெ பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகதல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளுர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க ரிக்கை டவடிக்





## ਪੱਤਾ ਗੋਭੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਪੱਤਾ ਗੋਭੀ ਦੀਆਂ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਕਿਸਮ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੀ ਪੱਤਾ ਗੋਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪੱਤਾ ਗੋਭੀ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੇ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਈਬ੍ਰਿਡ ਪੱਤਾਗੋ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸ਼ਸ਼ਿ' ਸੂਰਯਾ															
ਮਿਆਦ	85-95 DAS															
ਖ਼ਰੀਫ ਰਬੀ	ਹਾਂ ਹਾਂ											ļ				
ਰਥ। ਸਪ੍ਰਿੰਗ																
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸ	ਬੋਰਵੈੱਲ/ਨਹਿਰ			6 6						Ĺ	2.1					
			ਕਰਪਾ ਕਰਕੇ	ਾਧਆਨ ਦਿ	ਤ ਕਿ ਫਸਲ	ਦਾ ਵਾਧਾ ਅ	ਤ ਪਾਰਪਕ	ਤਾ ਮਸਮ ਦ	ਆਧਾਰ 'ਤ	ਵਖ-ਵਖ ਹ	ਸਕਦਾ ਹ।					
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆ	म 			ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ	ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੰ	ਇਕੜ ਇਨ	ਮੁਟ								
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤ		ਦੀਆਂ ਕੁਝ l ਵਿੱਚ।	ਕਿਸਮਾਂ ਲਗਭ	ਗ ਸਾਰਾ ਸਾ	ਲ ਉਗਾਈਆਂ	ਜਾ ਸਕਦੀਅ	ਮਾਂ ਹਨ, ਬਿਜ					। ਹਾਲਾਂਕਿ, ਪੱਤ ਸ ਕਰਕੇ ਪਹਾੜੰ			
2	ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ			ਚੰਗੀ ਨਿਕਾ	ਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤ	ਲੀ ਦੇਮਟ ਮਿੱ	ਟੀ ਜਿਸਦਾ ]	oH 5.5-6.5	ਹੋਵੇ।							
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉ	<u>ਟ੍ਰੇ</u> ਣ ਦਾ ਸਮਾਂ								ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਹੁੰ						
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ <sub>/</sub>	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ 'ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦੇ ਹੋਏ, 120-180 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ। 30-45 ਦਿਨ ਪੁਰਾਣੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬੂਟੇ (6 ਪੱਤਿਆਂ ਵਾਲੇ ਅਤੇ ਲਗਭਗ 8-10 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਵਾਲੇ ਦੇ ਬੂਟੇ) ਲਗਾਓ														
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅ	ਮਤੇ ਬਿਜਾਈ		ਜ਼ਮੀਨ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਾਹੀ ਕਰਕੇ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਜਾਂ ਖਾਦ ਪਾ ਕੇ ਤਿਆਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਿੱਟੀ ਪਰਖ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਹਰ 3 ਸਾਲਾਂ ਬਾਅਦ ਸਲੇਕਡ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 30 ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਚੂਨਾ ਲਗਾਉਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।												
6	ਬੁਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ							0 ਸੈ.ਮੀ. x 3								
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ	ਖਾਦ	FYM @ 10 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ, ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ 80 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ, P205 60 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਅਤੇ K20  ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ। ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ ਦੀ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ, P205 ਅਤੇ K20 ਦੀ ਪੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਬੇਸਲ ਖਾਦ ਵਜੋਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਅੱਧੀ ਮਾਤਰਾ ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ (ਮਿੱਟੀ ਲਗਾਉਣ ਵੇਲੋ) ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ ਵਜੋਂ ਪਾਉਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।													
8	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣ			ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।	ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ	ਪਾਣੀ ਦੀ ਉਪ	ਪਲਬਧਤਾ ਇ	ਕਸਾਰ ਹੋਈਂ	ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ,	ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਮਿੱਕ	ਟੀ ਵਿੱਚ	ਤਰੇੜ ਆ ਸ	ਅਤੇ ਲੋੜ ਅ ਕਦੀ ਹੈ।	ਨੁਸਾਰ ਸਿੰਚਾਈ	ਕਰਨੀ	
9	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾਈ ਅਤੇ	ਫ਼ੇਸਲਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ			ਰੋਪਣ ਤੋਂ ਬਾ	ਅਦ, ਦੋ ਵਾਰ	ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ	ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ,	ਪਹਿਲੀ 201	ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ	ਅਤੇ ਦੂਜੀ 4	.0 ਦਿਨਾਂ	ਬਾਅਦ।			
10	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ	ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ			ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ (i) ਬੋਰਾਨ 3000 ppm (3 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨੂੰ ਪੱਤਿਆਂ 'ਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ 650 ਲੀਟਰ ਛਿੜਕਾਅ ਘੋਲ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਰੋਪਣ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਲਗਾਓ। (ਨੇਟ: ਬੋਰਾਕਸ ਵਿੱਚ 11.3% ਬੋਰਾਨ ਅਤੇ 17.5% ਬੋਰਿਕ ਐਸਿਡ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।) (ii) ਰੋਪਣ ਤੋਂ 32-45 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੇ ਅਨੁਸਾਰ ਦੇ ਖੁਰਾਕਾਂ ਵਿੱਚ ਵਪਾਰਕ ਸੂਖਮ ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤ ਫਾਰਮੂਲੇ ਲਗਾਓ।											
11	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਵ	ਸੁੰਡੀਆਂ ਅਤੇ ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਹੋਰ ਕੀਤੇ: ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ ਬੈਂਜੇਏਟ 5% SG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਦਾ ਛਿਤਕਾਅ ਕਰੇ ਫ਼ੀਲਡ-ਰ੍ਰਿਕੇਟ, ਕੱਟਵਰਮ, ਲਾਲ ਕੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਕੀਤੇ: ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਲਗਾਓ। ਬਲੇਕ ਰੇਟ: ਰੇਪਾਈ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ 100-200 ppm (0.1-0.2 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਸਟ੍ਰੈਪਟੇਮਾਈਸਿਨ ਘੋਲ ਪਾਓ। ਪੱਤੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਕੀਤਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੇਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਬ੍ਰਿਪਸ/ਐਫਿਡਜ਼: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੇਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਫਲਾਂ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੇਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੇਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੇ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਥ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿਤਕਾਅ ਕਰੇ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।														
12	ਵਾਢੀ										ਣ ਵਾਲੀਆਂ ਿ	ਕਿਸਮਾਂ,	ਲਗਭਗ 75-	80 ਦਿਨ		
13	ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਅਨੁਮਾਨਿਤ	ਝਾੜ			ਸਹੀ ਦੇਖਭਾ	ਲ ਵਾਲੀ ਫਸ	ਲ ਆਦਰਸ਼	ਹਾਲਤਾਂ ਵਿੱਚ	20-25 ਟਨ	ਝਾੜ ਦਿੰਦੀ	ਹੈ।					
14	ਸਟੋਰੇਜ										ਲੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸ ਜਾਂ ਨੁਕਸਾਨ		ਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।	ਸਟੋਰ ਕਰਨ	ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ, ਢਿੱਲੇ	ਤੇ ਪੱਤਿਆਂ ਨੂੰ
15	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ							_			ਲ ਸਿਰੇ ਫੁੱਟ ਸ ਫਾੜ ਹੋ ਸਕਦੇ		ਸਿਰ ਬਣਨ ।	ਤੌਰਾਨ ਬਹੁਤ f	ਜ਼ੁਆਦਾ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜ	ਸਨ ਦੀ ਵਰਤੋਂ
16	ਕੀ ਕਰੋ	wm r <del> </del>	m) 1 mm 1 jr		fr mari	ni fra				n A Com-		>.				
ਨੇਟ		ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿ ਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭ											) <u> </u>	ਕੀਨੀ ਦਵਾ	ਕਿ ਜ਼ਿਲ੍ਹ	ਗੀ ਕੁਆਇਟਡੀ
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ		ਲਾ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭ ਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵ							14.0LU.Q	गण वयर ।	טיאט ול	JI H't	ਹ । ਇਹ ਯ	पाठा यहास	IN INDS DO	iii ginilocl